**Report on the celebration of *"Bharatiya Bhasha Utsav"***

**Jointly organized by:** Post-Graduate Department of Commerce, Magadh University, Bodh Gaya and the Indian Accounting Association, Patna Branch, Bihar

**Date:** 11 December 2024

**Venue:** Post-Graduate Department of Commerce, Magadh University

**Patron**
*Prof. Shashi Pratap Shahi*
Hon'ble Vice-Chancellor, Magadh University, Bodhgaya

**Co-Patron**
*Prof. B. R. K. Sinha*
Hon'ble Pro Vice-Chancellor, Magadh University, Bodhgaya

**Convenor**
*Prof. Anwar Khurshid Khan*
Head, P.G. Department of Commerce, Magadh University, Bodhgaya

**Organising Secretary**
*Dr. Vineeta Kumari*
Assistant Professor, P.G. Department of Commerce, Magadh University, Bodhgaya
Treasurer, Indian Accounting Association, Patna Branch

**Co-Organising Secretary**
*Dr. Shweta Goel*
Assistant Professor, P.G. Department of Commerce, Magadh University, Bodhgaya

## Brief Report

The Bhartiya Bhasha Utsav was celebrated in the Post-Graduate Department of Commerce, Magadh University, Bodh Gaya, in collaboration with the Indian Accounting Association, Patna Branch. The program was celebrated on the birth anniversary of the eminent poet Subramania Bharati. Mahakavi Bharati was a poet, multilingual, a freedom fighter, and a social worker. The program commenced with the inaugural address of Organizing Secretary Dr. Vineeta Kumari. She expressed concern that people are increasingly embarrassed to speak their mother tongue or even Hindi while blindly pursuing English, believing it will earn them respect in society. Head & Dean, Prof. Anwar Khurshid Khan, addressed all the students and told them that India is a country of diversity, where at every step, culture and language change, but the proud fact is that we are one. He said we should never forget our mother tongue and that respecting everyone's language and dialect is very important. According to UGC, there is a directive to conduct this program, and organizing various programs is mandatory as per the new education policy. Dr. Vineeta assigned an engaging activity to the students, which was required to be completed strictly in Hindi, to teach them the importance of management in their lives. After that, a quiz competition based on various Indian languages was also held. Students, irrespective of their mother tongue, participated enthusiastically in this competition, and the students of PhD Coursework (Group A) were the winners, namely Talat Saba, Jyoti Kumari,

Kumar Amit, Ashwani Kumar, Wasmat Noor and Seema Kumari. Assistant Professor Dr. Shweta Goel congratulated all the winners and made them aware of the features of Indian languages. The program concluded with a vote of thanks by Dr. Vineeta.

Report prepared by

*Dr. Vineeta Kumari* (Organising Secretary)
Assistant Professor, P.G. Department of Commerce, MU, Bodhgaya
Treasurer, Indian Accounting Association, Patna Branch

Verified by

*Prof. Anwar Khurshid Khan* (Convenor)
Head & Dean, Faculty of Commerce, MU, Bodhgaya

**Glimpse of the event**

**Media Coverage**

दैनिक भास्कर

शेरघाटी • इमामगंज • बाराचट्टी आसपास

पटना, गुरुवार, 12 दिसंबर, 2024 | 18

**कार्यक्रम** • मगध विश्वविद्यालय में मनी सुब्रह्मण्य भारती की जयंती, वक्ताओं ने रखे अपने विचार

# हम अपनी भाषा छोड़, अंग्रेजी के पीछे लगा रहे दौड़

एजुकेशन रिपोर्टर | बोधगया

महाकवि सुब्रह्मण्य भारती न केवल एक कवि थे, बल्कि बहुभाषी थे। वे स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजसेवी भी थे। बुधवार को मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में भारतीय लेखा संघ, पटना शाखा के सहयोग से मनाए गए भारतीय भाषा दिवस में उक्त बातें आयोजन सचिव एवं सहायक प्राध्यापिका डॉ. विनीता कुमारी ने कही।

उन्होंने इस बात पर चिंता जतायी कि आज स्थिति ऐसी हो गई है कि हम अपनी मातृ-भाषा में बात करने में शर्म महसूस करते हैं और मातृ-भाषा तो दूर, हम हिंदी को भी छोड़ कर अंग्रेजी भाषा के पीछे दौड़ लगा रहे हैं। यह कार्यक्रम भारत के

संबोधित करती डॉ विनीता।

महाकवि सुब्रह्मण्य भारती की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया गया। विभागाध्यक्ष प्रो.अनवर खुर्शीद खान ने सभी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा की भारत विभिन्नताओं का देश है तथा हर एक कदम पर वेशभूषा एवं भाषा बदल जाती है, फिर भी हम एक हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मातृभाषा को कभी नहीं भूलना चाहिए। साथ ही हर एक की भाषा, बोली का सम्मान करना बहुत आवश्यक है। यूजीसी के अनुसार इस कार्यक्रम को कराने का निर्देश है, जिसमे विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कराना नई शिक्षा नीति के अनुसार अनिवार्य है। डॉ. विनीता ने छात्रों के बीच हिंदी भाषा पर एक मनोरंजक कार्यक्रम कराया। तत्पश्चात उन्होंने भारत के विभिन्न भाषाओं पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी रखी। इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया एवं पीएचडी कोर्स वर्क के ग्रुप ए के बच्चे इसके विजेता रहे, जिनके नाम हैं तलत सबा,ज्योति कुमारी, कुमार अमित, अश्वनी कुमार, वसमत नूर एवं सीमा कुमारी। सहायक प्राध्यापिका डॉ श्वेता गोयल ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दी तथा भारतीय भाषा की विशेषताओं के बारे में जागरूक किया। डॉ. विनीता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ इस कार्यक्रम का समापन हुआ।

आज मगध
पटना
गुरुवार, १२ दिसम्बर, २०२४


# वाणिज्य विभाग में मनाया गया महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती की जयंती

**बोधगया** ( आससे )। मगध विश्वविद्यालयके स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में भारतीय लेखा संघ, पटना शाखाके सहयोग से 'भारतीय भाषा दिवस' मनाया गया। यह कार्यक्रम भारत के

महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती जी के जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। महाकवि भारती न केवल एक कवि थे बल्कि बहुभाषी थे, स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजसेवी भी थे। कार्यक्रम की शुरुआत आयोजन सचिव एवं सहायक प्राध्यापिका डा. विनीता कुमारीके उद्घाटन-संबोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने इस बात पर चिंता जतायी कि आज स्थिति ऐसी हो गई है कि हम अपनी मातृ-भाषा में बात करने में शर्म महसूस करते हैं और मातृ-भाषा तो दूर, हम हिंदी को भी छोड़कर अंग्रेजी भाषाके पीछे दौड़ लगा रहे हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. अनवर खुर्शीद ख़ान ने सभी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा की भारत विभिन्नताओंका देश है तथा हर एक कदमपर भेष- भूषा एवं भाषा बदल जाती है फिर भी हम एक हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मातृ-भाषा को कभी नहीं भूलना चाहिए। साथ ही हर एक की भाषा, बोली का सम्मान करना बहुत आवश्यक है। यूजीसी के अनुसार इस कार्यक्रम को कराने का निर्देश है जिसमें विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कराना नई शिक्षा नीति के अनुसार अनिवार्य है। डा. विनीता ने छात्रों के बीच हिंदी भाषा पर एक मनोरंजक कार्यक्रम कराया। तत्पश्चात उन्होंने भारत के विभिन्न भाषाओं पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी रखा। इस प्रतियोगितामें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया एवं पीएचडी कोर्स वर्क के ग्रुप ए के तलत सबा,ज्योति कुमारी, कुमार अमित, अश्वनी कुमार, वसमत नूर एवं सीमा कुमारी विजेता रहीं। डा श्वेता गोयल ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दी तथा भारतीय भाषाकी विशेषताओंके बारे में जागरूक किया।

## संक्षिप्त खबरें

### वाणिज्य विभाग में मनायी गई महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती की जयंती

**बोधगया।** मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में भारतीय लेखा संघ, पटना शाखा के सहयोग से "भारतीय भाषा दिवस" मनाया गया। यह कार्यक्रम भारत के महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती जी के जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। महाकवि भारती न केवल एक कवि थे बल्कि बहुभाषी थे, स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजसेवी भी थे। कार्यक्रम की शुरुआत आयोजन सचिव एवं सहायक प्राध्यापिका डॉ. विनीता कुमारी के उद्घाटन-संबोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने इस बात पर चिंता जतायी कि आज स्थिति ऐसी हो गई है कि हम अपनी मातृ-भाषा में बात करने में शर्म महसूस करते है और मातृ-भाषा तो दूर, हम हिंदी को भी छोड़ कर अंग्रेजी भाषा के पीछे दौड़ लगा रहे है। विभागाध्यक्ष प्रो. अनवर खुर्शीद खान ने सभी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विभिन्नताओं का देश है तथा हर एक कदम पर भेष- भूषा एवं भाषा बदल जाती है फिर भी हम एक है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मातृ-भाषा को कभी नही भूलना चाहिए । साथ ही हर एक की भाषा, बोली का सम्मान करना बहुत आवश्यक है। यूजीसी के अनुसार इस कार्यक्रम को कराने का निर्देश है जिसमे विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कराना नई शिक्षा नीति के अनुसार अनिवार्य है। डॉ. विनीता ने छात्रों के बीच हिंदी भाषा पर एक मनोरंजक कार्यक्रम कराया। तत्पश्चात उन्होंने भारत के विभिन्न भाषाओं पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी रखा। इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया एवं पीएचडी कोर्स वर्क के ग्रुप ए के तलत सबा, ज्योति कुमारी, कुमार अमित, अश्वनी कुमार, वसमत नूर एवं सीमा कुमारी विजेता रहीं। डॉ श्वेता गोयल ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दी तथा भारतीय भाषा की विशेषताओं के बारे में जागरूक किया।

एमयू के वाणिज्य विभाग में बुधवार को महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती की जयंती पर शामिल लोग। • हिन्दुस्तान

# महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती की जयंती मनी

गया, कार्यालय संवाददाता। मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में भारतीय लेखा संघ, पटना शाखा के सहयोग से ''भारतीय भाषा दिवस'' मनाया गया। यह कार्यक्रम भारत के महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती की जयंती पर किया गया।

महाकवि भारती न केवल एक कवि थे बल्कि बहुभाषी थे, स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजसेवी भी थे। कार्यक्रम की शुरुआत आयोजन सचिव एवं सहायक प्राध्यापिका डॉ. विनीता कुमारी के उद्घाटन-संबोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने इस बात पर चिंता जतायी कि आज स्थिति ऐसी हो गई है कि हम अपनी मातृ-भाषा में बात करने में शर्म महसूस करते हैं और मातृ-भाषा तो दूर, हम हिंदी को भी छोड़ कर अंग्रेजी भाषा के पीछे दौड़ लगा रहे हैं।

विभागाध्यक्ष प्रो.अनवर खुर्शीद ख़ान ने सभी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा की भारत विभिन्नताओं का देश है तथा हर एक कदम पर भेष- भूषा एवं भाषा बदल जाती है फिर भी हम एक हैं।

## याद किए गए राष्ट्रवादी कवि सुब्रह्मण्यम भारती

टिकारी। दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) राष्ट्रवादी कवि सुब्रह्मण्यम भारती की जयंती को भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया गया। वी.डी.एस. बॉयज हॉस्टल में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कवि सुब्रमण्यम भारती के विचारों एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रिय रंजन एवं सह संयोजक डॉ. किशोर कुमार ने बताया कि हर साल 11 दिसंबर को भारतीय भाषा उत्सव महान तमिल कवि, लेखक एवं दार्शनिक श्री सुब्रमण्यम भारती जिन्हें महाकवि भारती के नाम से भी जाना जाता है।

# कदम-कदम पर बदलती वेशभूषा व भाषा

जागरण संवाददाता, बोधगया: मगध विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में बुधवार को भारतीय लेखा संघ, पटना शाखा के सहयोग से भारतीय भाषा दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आयोजन सचिव एवं सहायक प्राध्यापिका डा. विनीता कुमारी के संबोधन के साथ हुआ। उन्होंने इस बात पर चिंता जतायी कि आज स्थिति ऐसी हो गई है कि हम अपनी मातृभाषा में बात करने में शर्म महसूस करते हैं और मातृभाषा तो दूर, हम हिंदी को भी छोड़कर अंग्रेजी भाषा के पीछे दौड़ लगा रहे हैं। विभागाध्यक्ष प्रो.अनवर खुर्शीद ख़ान ने कहा कि भारत विभिन्नताओं का देश है तथा हर एक कदम पर वेशभूषा एवं भाषा बदल जाती है फिर भी हम एक हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मातृभाषा को कभी नहीं भूलना चाहिए। साथ ही हर एक की भाषा, बोली का सम्मान करना बहुत आवश्यक है। डा. विनीता ने छात्रों के बीच हिंदी भाषा पर एक मनोरंजक कार्यक्रम कराया। तत्पश्चात उन्होंने भारत के विभिन्न भाषाओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी रखी। इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया एवं पीएचडी कोर्स वर्क के ग्रुप ए के छात्र इसके विजेता रहे। सहायक प्राध्यापिका डा. श्वेता गोयल ने सभी विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने भारतीय भाषा की विशेषताओं के बारे में जागरूक किया।

मवि में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करतीं सहायक प्राध्यापिका • सौ. संस्थान